Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 14 October 2024

Dainik Jagran
Page - 07, 08

प्रतियोगिता के जरिए तैयार होगा शोध का माहौल

भारतीय विश्वविद्यालय संघ की अन्वेषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे गोवि के शोधार्थी

नोडल स्तर पर शीर्ष तीन विजेता शोधार्थियों को दिया जाएगा नकद पुरस्कार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : परिसर में शोध व नवाचार का वातावरण तैयार करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से तरह-तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ की वार्षिक अन्वेषण प्रतियोगिता में अपने शोधार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित कराने जा रहा है। स्नातक, परास्नातक और पीएचडी के शोधार्थियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिता की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है और शोधार्थियों को आवेदन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को प्रेरित करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से एक समिति का गठन किया गया है, जिसका समन्वयक भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव को बनाया गया है। डा. श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में युवा शोधार्थियों को उसके नवाचरित शोध प्रोजेक्ट्स और विचारों के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह प्रतियोगिता प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीक, कृषि विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी एवं व्यवसायिक व्यवस्था सहित अन्य विषयों में हुए शोध के लिए आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता तीन स्तर पर होती है। पहले स्तर में विश्वविद्यालय स्तर पर कुछ विशेष शोध प्रोजेक्ट्स को चुना जाता है। दूसरे स्तर में चुने गए प्रोजेक्ट्स का नोडल स्तर पर प्रस्तुतिकरण एवं मूल्यांकन होता है, जिसमें चुने गए प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया जाता है। तृतीय एवं अंतिम चरण में चुनिंदा प्रोजेक्ट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतिकरण के बाद उच्च पुरस्कार के लिए चुना जाएगा। नोडल स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शोधार्थियों को 75000, 50000 व 25000 का नकद पुरस्कार दिया जाता है। डा. श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए शोध प्रोजेक्ट जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए शोधार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के लिंक https://ddugu.ac.in/newweb/anveshan.php पर जा सकते हैं।

> विश्वविद्यालय में शोध वातावरण विकसित करने के लिए शोधार्थियों को भारतीय विश्वविद्यालय संघ की अन्वेषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय के छात्रों में शोध अभिरुचि बढ़ेगी और वह गुणवत्तापूर्ण शोध की दिशा में कार्य करेंगे। उनके शोध से विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फलक पर उभरेगा।
>
> प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

एम्स गोरखपुर में शुरू होगी पीएचडी

गोरखपुर : एम्स गोरखपुर में पीएचडी पाठ्यक्रम की शुरुआत होगी। इसकी अनुमति मिल गई है। एम्स गोरखपुर फुल टाइम, पार्ट टाइम और डुअल पीएचडी पाठ्यक्रम का संचालन करेगा। मेडिकल, नान मेडिकल, नर्सिंग अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग नियमावली बनाई गई है। विदेश के भी अभ्यर्थी पीएचडी कर सकेंगे। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए उम्र की कोई सीमा तय नहीं की गई है।

सुखी व समृद्ध होते हैं जड़ों से जुड़े लोग : प्रो. पूनम टंडन

- एमएमयूटी में हुई 'भारतीय ज्ञान परंपरा का विकसित भारत में योगदान' विषय पर संगोष्ठी

Amar Ujala
Page - 08

'भारतीय ज्ञान परंपरा को समग्रता से लागू कर युवाओं को बना सकते हैं आत्मनिर्भर'

दो दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग सह शैक्षिक कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, गोरक्षप्रांत के दो दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग सह शैक्षिक कार्यशाला का उद्घाटन रविवार को महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में हुआ।

उद्घाटन सत्र के विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना' पर बोलते हुए मुख्य अतिथि न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि एनईपी-2020 (नई शिक्षा नीति) देश को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए आवश्यक है। यह शिक्षा के सभी केंद्रों पर समग्रता पर जोर देते हुए समग्रता की दृष्टि प्रदान करती है। समग्रता की दृष्टि ही भारतीय ज्ञान परंपरा है जिससे शिक्षा के सभी आयाम को जोड़ा गया है, भारतीय ज्ञान परंपरा को समग्रता से लागू कर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

कहा कि प्राचीन शिक्षा व्यवस्था में पहले प्रायोगिक फिर सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाता था। इससे सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना आसान हो जाता था। हमारे देश में प्रतिभा की कमी नहीं है पर परिवेश में सुधार की आवश्यकता है। हम वातावरण में परिवर्तन लाएंगे तो देश आत्मनिर्भर बनेगा।

अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नई शिक्षा नीति में छात्र सर्वोपरि है। विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता का इतिहास सिर्फ राजनैतिक संघर्ष का इतिहास ही नहीं है अपितु यह शिक्षा परंपरा को बचाने का भी इतिहास है।

इससे पूर्व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह और कॉलेज के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव व न्यास के संरक्षक मनकेश्वर नाथ पांडेय ने अतिथियों का आभार जताया। संचालन न्यास की महिला प्रमुख डॉ. चारुशिला सिंह ने किया। कार्यक्रम में न्यास से जुड़े गोरक्षप्रांत के कई विवि, महाविद्यालयों के शिक्षक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अभ्यास वर्ग के पहले दिन कुल चार सत्र संपन्न हुए। दूसरे सत्र में न्यास की विकास यात्रा, कार्य पद्धति एवं कार्यशैली पर न्यास के संजय स्वामी ने विषय रखा। तृतीय सत्र में प्रो. विनय कुमार सिंह ने कार्यकर्ता संयोजन प्रचार और प्रसार पर प्रकाश डाला। चतुर्थ सत्र में प्रो. पूर्णेंदु मिश्रा ने कार्यकर्ता विकास एवं प्रवास की संकल्पना पर प्रकाश डाला। अंत में महात्मा गांधी इंटर व पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य। संवाद

एआईयू की वार्षिक प्रतियोगिता में डीडीयू का प्रतिनिधित्व करेंगे विद्यार्थी

गोरखपुर। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता 'अंवेषण 2024' में पहली बार गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः 75,000, 50,000 और 25,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। शोध प्रोजेक्ट्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर है।

डीडीयू प्रशासन द्वारा इस प्रतियोगिता के लिए भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव को समन्वयक नियुक्त किया गया है। डॉ. अम्बरीश ने बताया कि एआईयू द्वारा युवा शोधार्थियों में शोध अभिरुचि जगाने एवं विकसित करने के लिए 'अंवेषण' एक पहल है।

प्रतियोगिता प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीक, कृषि विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान आदि विषय क्षेत्रों में शोध पर आधारित है। प्रतियोगिता तीन स्तर पर होनी है। विश्वविद्यालय स्तर पर बेहतर चुनिंदा रिसर्च प्रोजेक्ट को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। प्रोजेक्ट्स को नॉर्थ इंडिया जोन लेवल पर भेजा जाएगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि शोध वातावरण को बढ़ाने के लिए छात्र-छात्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। संवाद

जड़ों से जुड़े लोग और समुदाय ही होते हैं समृद्ध

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व भारतीय शिक्षण मंडल-युवा आयाम, गोरक्ष प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को प्रांत स्तरीय शोधार्थी सम्मेलन व 'भारतीय ज्ञान परंपरा का विकसित भारत में योगदान' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व के लगभग सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह उसके प्राचीन ज्ञान और गौरव की वजह से ही संभव हो रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी जड़ों से जुड़े रहें। जड़ों से जुड़े लोग और समुदाय ही सुखी और समृद्ध होते हैं। संवाद

Hindustan
Page - 06

छात्रावास का उद्घाटन करते डॉ. अतुल भाई कोठारी व अन्य।

नव निर्मित छात्रावास का हुआ उद्घाटन

गोरखपुर। नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के नवनिर्मित राम गरीब लाल छात्रावास का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। इस दौरान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी, अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही और कैंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन वसंचालन मनकेश्वर नाथ पांडेय ने किया।

'अन्वेषण' में डीडीयू का प्रतिनिधित्व करेंगे विद्यार्थी

- विद्यार्थी 31 अक्तूबर तक कर सकेंगे आवेदन
- भारतीय विवि संघ की स्पर्धा में भाग ले रहा डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता 'अन्वेषण 2024' में पहली बार दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को क्रमशः 75000, 50000, 25000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए शोध प्रोजेक्ट्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर है।

डीडीयू प्रशासन द्वारा इस प्रतियोगिता के लिए भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव को समन्वयक नियुक्त किया गया है। डॉ अम्बरीश ने बताया कि एआईयू द्वारा युवा शोधार्थियों में शोध अभिरुचि जगाने एवं विकसित करने के लिए 'अन्वेषण' एक पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को प्रेरित कर उच्च शिक्षा में शोध के वातावरण को मजबूत करना है। प्रतियोगिता के तहत शोधार्थियों को नवाचरित शोध प्रोजेक्ट्स एवं विचारों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

यह प्रतियोगिता प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीक, कृषि विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी एवं व्यावसायिक व्यवस्था आदि विषय क्षेत्रों में शोध पर आधारित है। प्रतियोगिता तीन स्तर पर होनी है। विश्वविद्यालय स्तर पर बेहतर चुनिंदा रिसर्च प्रोजेक्ट को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। उन प्रोजेक्ट्स को नॉर्थ इंडिया जोन लेवल पर भेजा जाएगा। नॉर्थ इंडिया लेवल पर आए सभी प्रोजेक्ट्स में से सर्वश्रेष्ठ तीन को चुनकर इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए भेजा जाएगा। वहां सर्वश्रेष्ठ तीन प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया जाएगा।

> शोध वातावरण को बढ़ाने के लिए छात्र-छात्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। इससे उनके शोध अभिरुचि में निश्चित ही वृद्धि होगी। इससे विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर निखरेगा।
>
> -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Rashtriya Sahara
Page - 07

जड़ों से जुड़े लोग और समुदाय ही सुखी और समृद्ध होते हैं : प्रो. पूनम टंडन

- एमएमएमयूटी में हुआ भारतीय ज्ञान परंपरा पर एक दिवसीय विमर्श

Amar Ujala Select
Page - 05

अन्वेषण-2024 में डीडीयू का प्रतिनिधित्व करेंगे विद्यार्थी

प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले छात्र होंगे पुरस्कृत, शोध कार्य को मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता 'अन्वेषण 2024' में पहली बार गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे।

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः 75,000, 50,000 और 25,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए शोध प्रोजेक्ट्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर है।

डीडीयू प्रशासन द्वारा इस प्रतियोगिता के लिए भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव को समन्वयक नियुक्त किया गया है। डॉ. अम्बरीश ने बताया कि एआईयू द्वारा युवा शोधार्थियों में शोध अभिरुचि जगाने एवं विकसित करने के लिए 'अंवेषण' एक पहल है।

उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीक, कृषि विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी एवं व्यावसायिक व्यवस्था आदि विषय क्षेत्रों में शोध पर आधारित है। प्रतियोगिता तीन स्तर पर होनी है।

विश्वविद्यालय स्तर पर बेहतर चुनिंदा रिसर्च प्रोजेक्ट को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। उन प्रोजेक्ट्स को नॉर्थ इंडिया जोन लेवल पर भेजा जाएगा। नॉर्थ इंडिया लेवल पर आए सभी प्रोजेक्ट्स में से सर्वश्रेष्ठ तीन को चुनकर इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए भेजा जाएगा। वहां सर्वश्रेष्ठ तीन प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी डीडीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

> शोध वातावरण को बढ़ाने के लिए छात्र-छात्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। इससे उनके शोध अभिरुचि में निश्चित ही वृद्धि होगी। इससे विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर निखरेगा।
>
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

प्रवेश और पंजीकरण की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ी

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 अक्तूबर तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी कुलसचिव ने दी है।

Aaj

स्वालम्बन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आवश्यक-डा.कोठारी

गोरखपुर 13 अक्टूबर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, गोरक्ष प्रांत के द्विदिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग सह दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र के विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पर बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ अतुल भाई कोठारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 देश को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए आवश्यक है। समग्रता की दृष्टि ही भारतीय ज्ञान परंपरा है जिससे शिक्षा के सभी आयाम को जोड़ा गया है। स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। यह शिक्षा व्यवस्था हमारे जड़ों से हमारे युवाओं को जोड़ेगा, युवाओं के आत्मनिर्भर होने से हमारा समाज भी आत्मनिर्भर होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीडीयू कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नई शिक्षा नीति में छात्र सर्वोपरि है केवल किताबी ज्ञान न हो कर उनके स्किल डेवलपमेंट पर जोर देता है। भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम से हम अपने भारतीय विद्वानों के योगदान को छात्रों तक पहुंच कर अपनी समृद्ध विरासत को उन्हे सौंप सकते हैं विशिष्ठ अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राज शरण शाही ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में ज्ञान परंपरा को समाहित करना ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह बदलाव लोकल से ग्लोबल तक ले जाने वाला है, यह मूल परिवर्तन पर जोर देता है। इससे पूर्व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और एमजीपीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह और इंटर कालेज के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सिंह ने अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में नेशनल एजूकेशनल सोसाइटी के सचिव वा न्यास के संरक्षक मनकेश्वर नाथ पाण्डेय ने अतिथियों का आभार ज्ञापन किया, कार्यक्रम का सफल संचालन न्यास की महिला प्रमुख डॉ. चारुशिला सिंह ने किया। द्विदिवसीय अभ्यास वर्ग के प्रथम दिन कुल चार सत्र संपन्न हुए जिसमे उद्घाटन सत्र के बाद द्वितीय सत्र में न्यास की विकास यात्रा, कार्य पद्धति एवं कार्यशैली पर न्यास के संजय स्वामी ने विषय रखा, तृतीय सत्र में प्रो. विनय कुमार सिंह ने कार्यकर्ता संयोजन प्रचार और प्रसार पर प्रकाश डाला तथा चतुर्थ सत्र में प्रो. पूर्णेंदु मिश्रा ने कार्यकर्ता विकास एवम प्रवास की संकल्पना पर प्रकाश डाला।

Swatantra Chetna
Page - 05

युवाओं के आत्मनिर्भर होने से समाज भी आत्मनिर्भर होगा: डॉ अतुल

- नई शिक्षा नीति में छात्र सर्वोपरि है: प्रो. पूनम टंडन
- गोरक्ष प्रांत के द्विदिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग सह शैक्षिक कार्यशाला का हुआ उद्घाटन